यहाँ अत्याचार कितना क्या तुम नहीं जानते

भजन : यहाँ अत्याचार कितना क्या तुम नहीं जानते ।

यहाँ अत्याचार कितना, क्या तुम नहीं जानते ?
प्रभू रुक नहीं सकता, तुम्हारे बिना ॥

सुना है प्रभू सबके, हरते हो गम ।
दुःखियों के कष्टों को, करते हो कम ॥
तुम बिन हरे दुःख मेरा, कौन ये बताऽ ।
यहाँ अन्धकार कितना, क्या तुम नहीं जानते ?
प्रभू रुक नहीं सकता, तुम्हारे बिना ॥

कहते धरम के खातिर, लेता जनम ।
गो-द्विज-भक्त के, हरता हूँ गम ॥
फिर क्यों नहीं आते हो ? ये तो बताऽ ।
मचा हाहाकार कितना, क्या तुम नहीं जानते ?
प्रभू रुक नहीं सकता, तुम्हारे बिना ॥

प्रभू तंग करते हैं, पापी सदा ।
प्रभू आओ ले करके, चक्र-गदा ॥
कान्त की सुनलो प्रभु जी, अब ना सता ।
यहाँ दुराचार कितना, क्या तुम नहीं जानते ?
प्रभू रुक नहीं सकता, तुम्हारे बिना ॥

भजन रचना : प. पू. श्री श्रीकान्त दास जी महाराज ।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35661/title/yahan-atyachar-kitna-kya-tum-nahi-jante

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |